|  |
| --- |
| 15. August  |
| **Mariä Aufnahme in den Himmel Hochfest** |
| Am Abend: | Erste Lesung: 1 Chr 15,3-4.15-16; 16,1-2; | Zweite Lesung: 1 Kor 15,54-57; | Evangelium: Lk 11,27-28 |
| Am Tag: | Erste Lesung: Offb 11,19a; 12,1-6a.10ab; | Zweite Lesung: 1 Kor 15,20-27; | Evangelium: Lk 1,39-56 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 522, 1-3 | Maria aufgenommen ist |
|  | GL 536, 1+5+6 | Gegrüßet seist du, Königin |
|  | GL 827 | Sei gegrüßt, o Born der Gnade |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 155 | Kyrie eleison |
| Gloria: | GL 173, 1+2 | Gloria in excelsis Deo |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | **Am Abend:** |  |
|  | Psalm 132, 6-10.13-14 |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 631, 3 | Der Herr hat Großes |
|  | oder |  |
|  | GL 390 (Kanon) | Magnificat |
|  | **Am Tag:** |  |
|  | Psalm 45, 11-12.16 u. 18 |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 649, 1 | Sei gegrüßt, Maria |
|  | oder |  |
|  | GL 531, 1+2 | Sag an, wer ist doch diese |
|  | GL 821 | Die Schönste von allen |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 1 |  |
|  | Vers: |  |
|  | **Am Abend:** |  |
|  | *Selig, die das Wort Gottes hören* |
|  | *und es befolgen.* |
|  | **Am Tag:** |  |
|  | *Aufgenommen in den Himmel ist die Jungfrau Maria.* |
|  | *Die Engel freuen sich und preisen den Herrn.* |
|  |  |  |
| Credo: | GL 180 | Credo in unum Deum |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 717, 1+2 | Schau erbarmend auf uns nieder |
| Sanctus: | GL 718 | Heilig |
| Agnus Dei: | GL 208 | Christe, du Lamm Gottes |
| Danksagung:  | GL 822 | Groß sein lässt meine Seele den Herrn |
|  | 395, 1-3 | Den Herren will ich loben |
| Schluss: | GL 829, 1+2 | Wunderschön prächtige |